ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-९
दिनांक-मंगलवार,२६ जनवरी,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २३.१ एवं १२.४ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ९३ सुबह में एवं दोपहर में ६५ प्रतिशत, हवा की औसत गति ३.४ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.८ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.१ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १३.६ एवं दोपहर में २१.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा, सुबह में कुहासा देखा गया।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(३० जनवरी से ३ फरवरी, २०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ३० जनवरी से ३ फरवरी, २०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में बादल देखे जा सकते है। हँलाकि इस अवधि में मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान २१ से २३ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ८ से ११ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन ३ से ५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा हवा चलने का अनुमान है ।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ९० से ९५ प्रतिशत तथा दोपहर में ५५ से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- कृषक भाईयों को सलाह दी जाती है कि हल्दी एवं ओल की तैयार फसलों की खुदाई प्राथमिकता से करें।
- बसन्तकालीन ईख की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की तैयारी के वक्त जुताई में १५-२० टन सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करें। यह खाद भुमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाती है।
- पिछात बोयी गई गेहूँ की फसल में जिंक की कमी के लक्षण (गेहूँ के पौधों का रंग हल्का पीला हो जाना) दिखाई दें रहें हो तो २.५ किलोग्राम जिंक सल्फेट, १.२५ किलोग्राम बुझा हुआ चुना एवं १२.५ किलोग्राम युरिया को ५०० लिटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से १५ दिन के अन्तराल पर दो बार छिड़काव करे। समय से बोयी गई गेहुं की ६०-६५ दिनों की अवस्था में तीसरी सिंचाई करें।
- आलू की अगात प्रभेद की तैयार फसलों की खुदाई कर लें। बीज वाली फसल की ऊपरी लत्ती की कटाई कर लें तथा खुदाई के १५ दिनों पूर्व सिंचाई बन्द कर दें। पिछात आलू की फसल में कटवर्म या कजरा पिल्लू की निगराणी करें। आलू की फसल में शुरुआती अवस्था से कंद बनने की अवस्था तक यह कीट फसल को नुकसान पहुँचाती है। उपचार हेतु क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २.५ से ३ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- गरमा मौसम की सब्जियों जैसे-भिन्डी, कद्दू, कदिमा, करेला, खीरा एवं नेनुआँ की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। सब्जियों की स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए सड़ी-गली गोबर खाद का प्रबंध करें। १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०-३० किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें। इस कीट के पिल्लू रात्री के समय निकलकर इन सब्जियों की छोटे-छोटे उग रहे पौधो पर चढ़कर पत्तियों तथा कोमल शाखाओं को काटकर खाती है एवं जमीन पर गिरा देती हैं जिससे पूरा पौधा ही सूख जाता है।
- इस समय आम एवं लीची में मंजर आने की संभावना अधिक रहती है। अतः किसान भाई अपने आम एवं लीची के बागानों में किसी भी प्रकार का कर्षण क्रिया नहीं करें। इन बगानों में जहाँ दीमक की समस्या हो, क्लोरपाईरिफॉस २० ई०सी० @ २.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर मुख्य तने एवं उसके आस-पास की मिट्टी में छिड़काव करने से दीमक की उग्ररता में कमी आती है। मधुआ एवं दहिया कीटों का प्रकोप कम करने के लिए वृक्षों में इमिडाक्लोप्रीड १७.८ एस०एल० अथवा साइपरमेथ्रीन १० ई०सी०@१.० मी०ली०/ली० पानी की दर से घोल बनाकर समान रुप से छिड़काव करें। घुलनशील गंधक (सल्फर) ८० डब्लू०पी०@ २ ग्राम/लीटर पानी की दर से घोल कर पत्तियों पर समान रुप छिड़काव करने से आने वाले समय में पौउड्री मिल्डेव की उग्रता में कमी आती है।
- चने, मटर और टमाटर की फसल में फली छेदक कीट के नियंत्रण हेतु फिरोमोन प्रपंश @ ३-४ प्रपंस प्रति एकड़ की दर से लगायें।
- चारा की खड़ी फसल-जई, बरसीम एवं लूसर्न की कटाई २५-३० दिनों के अन्तर पर करें। प्रत्येक कटनी के बाद सिंचाई कर खेतों में १० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टर की दर से उपरिवेशन करें।
- पशुपालक भाई दूधारु पशुओं को हरे एवं शुष्क चारे के मिश्रण के साथ नियमित रुप से ५० ग्राम नमक, ५० से १०० ग्राम खनिज मिश्रण प्रति पशु एवं दाना खिलावें।

आज का अधिकतम तापमानः २२.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.७ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः ७.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.२ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी